

Padma Shri



SMT. SULOCHANA CHAVAN

Smt. Sulochana Kadam, known as Sulochana Chavan is an Indian singer, known for her "Lavanis" in Marathi. She started her professional singing career at the age of 10 years. She has done playback singing for around 250 songs in 70 Hindi movies and over 5000 songs in Marathi films, albums, HMV and cassettes throughout her career. She was credited as K. Sulochana after her maiden surname Kadam then.

2. Born on 13th March, 1933, Smt. Chavan completed her education upto 4th Standard, but showed remarkable interest in theatre and music by the age of 7. As a child, she played the role of 'Shri Krishna' in a local play and "Majnu" in Urdu play. At the age of 10, she started singing professionally. In 1955, she sang her first "Lavani" in the Marathi movie "Kalagi Tura" directed by Shree Shyamrao Chavan who gave her valuable lessons on her basics of pronunciations and stress on words which further enhanced her Lavani singing. She became famous with her Lavani "Mala Ho Mhantyat Lavangi Mirchi" where the music was composed by Vasant Pawar and lyrics penned by Jagdish Khebudkar. Thereafter, she went on to sing many "Lavanis" through Marathi and Hindi films as well as doing stage performances.

3. Since 1960, Smt. Chavan has been conducting stage performances for donations to various schools, colleges, libraries, orphanages and hospitals in Vidarbha, Khandesh and Marathwada areas of Maharashtra. She raised a donation of Rs. 9 lakhs for necessary equipments in the Kuldham Hospital of Dr. Bhusari. She also conducted stage performances for the aggrieved people of flood affected parts around the Pune Panshet dam. She has done commendable contribution for social cause. She also performed for the Indian soldiers in Nagaland in 1969.

4. Smt. Chavan is the recipient of numerous awards and honours including the title "Lavani Samradhni" (Queen of Lavani) in 1965 for her singing to the art genre; the Lokshahir Patthe Bapurao Puraskar in 2007 by Pune Municipal Corporation; Ram Kadam Puraskar in 2009; Lata Mangeshkar Award in 2010 by Government of Maharashtra and Lavani Kalavant Puraskaar in 2011. She also received Sangeet Natak Akademi Award in 2012.

पद्म श्री



श्रीमती सुलोचना चव्हाण

श्रीमती सुलोचना कदम, जिन्हें सुलोचना चव्हाण के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय गायिका हैं, जो मराठी में "लावणी" के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अपनी पेशेवर गायन यात्रा की शुरुआत 10 वर्ष की उम्र में की थी। उन्होंने अपने पूरे करियर के दौरान 70 हिंदी फिल्मों में लगभग 250 गाने तथा मराठी फिल्मों, एल्बम, एचएमवी और कैसेट में 5000 से अधिक गाने गाए हैं। उनके पहले उपनाम कदम के बाद उन्हें के. सुलोचना के रूप में जाना जाता है।

2. 13 मार्च, 1933 को जन्मी, श्रीमती चव्हाण ने चौथी कक्षा तक अपनी शिक्षा पूरी की, लेकिन 7 वर्ष की आयु तक उनमें थिएटर और संगीत के प्रति काफी रुचि पैदा हो गई। बालिका के रूप में, उन्होंने एक स्थानीय नाटक में 'श्री कृष्ण' और उर्दू नाटक में 'मजनू' की भूमिका निभाई। दस वर्ष की आयु में, उन्होंने पेशेवर रूप से गाना शुरू किया। 1955 में, उन्होंने श्री श्यामराव चव्हाण द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म "कलगी तुरा" में अपना पहला "लावणी" गीत गाया। श्री श्यामराव चव्हाण ने उन्हें उच्चारण की मूल बातें और शब्दों पर जोर देने के बहमूल्य गुरु बताए जिनसे उनके लावणी गायन में और निखार आया। वह अपनी लावणी "माला हो म्हांत्यात लवंगी मिर्ची" से प्रसिद्ध हुईं, जिसे वसंत पवार द्वारा संगीतबद्ध किया गया था और गीत की रचना जगदीश खेबुडकर ने की थी। इसके बाद, उन्होंने मराठी और हिंदी फिल्मों के साथ-साथ मंच पर बहुत सी "लावणी" गायी।

3. 1960 के बाद से, श्रीमती चव्हाण महाराष्ट्र के विदर्भ, खांदेश और मराठवाड़ा क्षेत्रों में विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, पुस्तकालयों, अनाथालयों और अस्पतालों के लिए दान जुटाने के लिए मंच प्रस्तुति करती रही हैं। उन्होंने डॉ. भुसारी के कुलधाम अस्पताल में आवश्यक उपकरणों के लिए 9 लाख रुपये दानराशि जुटाई। उन्होंने पुणे पनशेट बांध के आसपास बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों के लिए मंच पर गायन प्रस्तुति दी। उनका सामाजिक कार्यों में सराहनीय योगदान रहा है। उन्होंने 1969 में नागालैंड में भारतीय सैनिकों के लिए भी लावणी गायन किया।

4. श्रीमती चव्हाण को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए जिनमें इस शैली में गायन के लिए 1965 में "लावणी समृद्धिनी" (लावणी की रानी) की उपाधि; 2007 में पुणे नगर निगम द्वारा लोकशहिर पथे बापुराव पुरस्कार; 2009 में राम कदम पुरस्कार; 2010 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लता मंगेशकर पुरस्कार और 2011 में लावणी कलावंत पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें 2012 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी प्रदान किया गया।